HINDUSTAN PAGE 5

कॉलेजों के लिए केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया का विकल्प

तैयारी

लखनऊ | निज संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में पिछले साल की तर्ज पर इस बार भी कालेजों के लिए केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होने का विकल्प खोल दिया गया है। प्रोफेशनल पाठ्यक्रम के लिए महाविद्यालय के एक कोर्स के लिए एक लाख रुपये, 18 प्रतिशत जीएसटी शुल्क और सामान्य पाठ्यक्रम के लिए महाविद्यालय के एक कोर्स के लिए 50 हजार रुपये, 18 प्रतिशत जीएसटी शुल्क तय किया गया है।

इस बार लखनऊ के अलावा हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर व रायबरेली के कालेज भी विश्वविद्यालय से जुड़ चुके हैं। ऐसे में जो कालेज इस प्रक्रिया में शामिल होना चाहते हैं, वे 31 मार्च तक पाठ्यक्रम का विवरण व संबंधित शुल्क जमा कर ई-मेल lucentraizedadmission2021@gmail.com पर आवेदन कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. विनोद कुमार ने बताया कि एलयू से सम्बद्ध लखनऊ में 174 कालेज संचालित हैं। वही चार अन्य जिलों के 350 कालेज भी लविवि से सम्बद्ध हो गए हैं। अब नए सत्र से यह कालेज भी विश्वविद्यालय के मानकों के अनुसार ही संचालित होंगे।

वर्ष 2020-21 में विश्वविद्यालय से लखनऊ के 68 महाविद्यालय केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े थे। इनमें विश्वविद्यालय की काउंसिलिंग के माध्यम से छात्र प्रवेश के लिए भेजे गए। अब नए सत्र में चार अन्य जिलों के कालेज भी आने से विवि का दायरा बढ़ गया है। विश्वविद्यालय चाहता है कि ज्यादा से ज्यादा कालेज इस प्रक्रिया से जुड़ें। जो कालेज विश्वविद्यालय के साथ प्रवेश प्रक्रिया में आना चाहते हैं, काउंसलिंग के माध्यम से उनकी प्रवेश प्रक्रिया पूरी कराई जाएगी। इसके लिए सामान्य एवं प्रोफेशनल सहभागिता शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा।

ई-बुक से छात्रों को कर रहे जागरूक

लखनऊ। विश्वविद्यालय प्रशासन प्रवेश आवेदन प्रक्रिया में सहूलियत देने के लिए छात्रों को जागरूक कर रहा है। विद्यार्थियों द्वारा की जाने वाली गलतियों से बचने के लिए विवि ने ई बुक का सहारा लिया है। ई-बुक से विद्यार्थियों को जागरूक किया जा रहा है। एक तरफ जहां इसके लिए कई हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। वहीं यू-ट्यूब पर फार्म भरने की पूरी जानकारी दी जा रही है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : पीएचडी की 16 सीटें बढ़ीं

प्रवेश आवेदन शुरू होने के बाद बदलाव, पार्ट टाइम में 13 व नियमित में बढ़ीं तीन सीटें

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी की सीटों को लेकर हमेशा विवाद रहा है। इस साल भी पीएचडी में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू होते ही सीटों को लेकर बदलाव शुरू हो गया है। अचानक पीएचडी और पार्ट टाइम पीएचडी की 16 सीटें बढ़ा दी गई हैं। इसे लेकर फिर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है।

विश्वविद्यालय में अभी सत्र 2020-21 की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया नहीं पूरी हो पाई थी। इसे नए सत्र 2021-22 की प्रवेश प्रक्रिया के साथ पूरा करने की कवायद शुरू हुई, लेकिन काफी कवायद के बाद भी समय से विभागों से पूरी जानकारी नहीं मिली और प्रवेश आवेदन की तिथि आ गई। इससे आवेदन शुरू करने पड़े। विश्वविद्यालय की ओर से पूर्व में जारी ब्योरे में पीएचडी की सीटें 439 और पार्ट टाइम पीएचडी की 76 बताई गई थीं।

अब जब वेबसाइट पर सीटों का ब्योरा अपलोड किया गया है तो इसमें नियमित पीएचडी की सीटें 442 और पार्ट टाइम की पीएचडी की

विश्वविद्यालय प्रशासन का तर्क, विभागों से नहीं मिली थी पूरी सूचना

89 हो गई हैं। इसके अनुसार हिंदी में पार्ट टाइम पीएचडी की सीटें शून्य से नौ, लोक प्रशासन में शून्य से दो और रसायन विज्ञान व भूगर्भ विज्ञान में एक-एक सीट बढ़ी है। इसी क्रम में फुल टाइम पीएचडी में एंथ्रोपोलॉजी में दो व इकोनॉमिक्स में एक सीट बढ़ी है।

विश्वविद्यालय प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने कहा कि विभागों द्वारा भेजी गई सूचना पर पीएचडी की सीटें बढ़ी हैं। उन्होंने बताया कि फुल टाइम पीएचडी के साथ ही पार्ट टाइम पीएचडी के लिए भी आवेदन हो रहे हैं। आगे नियमानुसार इसकी प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

बीएलएड के आवेदन भी शुरू

विश्वविद्यालय की ओर से नौ मार्च से शुरू हुई ऑनलाइन प्रवेश आवेदन प्रक्रिया के साथ ही चार वर्षीय बीएलएड पाठ्यक्रम के लिए भी प्रवेश आवेदन शुरू कर दिए गए। हालांकि पूर्व में जारी सूचना में इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। वेबसाइट पर अपडेट डाक्यूमेंट में अभी इसकी सीटों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई है। इससे विद्यार्थियों में असमंजस की स्थिति है।

ई-बुक से भी कर रहे प्रवेश को जागरूक

विश्वविद्यालय प्रशासन प्रवेश आवेदन में विद्यार्थियों द्वारा की जाने वाली गलतियों से बचने के लिए कई तरीके अपना रहा है। एक तरफ जहां इसके लिए कई हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए है, वहीं यू-ट्यूब पर फॉर्म भरने की पूरी जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में अपनी ई-बुक से भी विद्यार्थियों को जागरूक किया जा रहा है।

एमबीए में प्रवेश के लिए आवेदन जल्द

लविवि में लखनऊ यूनिवर्सिटी मास्टर ऑफ कॉमर्स इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (लुंबा) के तहत एमबीए प्रवेश की कवायद तेज हो गई है। यूजी प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही विभाग की ओर से इसके लिए भी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। लुंबा के तहत एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स (एचआर) और एमबीए इन फाइनेंस आदि में प्रवेश लिया जाता है।

i-NEXT PAGE 5 & 7

एलयू में लगेगा मेगा जॉब फेयर

टारगेट 10 हजार स्टूडेंट्स को नौकरी देने का

एलयू के एमबीए विभाग और सेवायोजन कार्यालय मिलकर करेंगे आयोजन

जल्द तय होगी आयोजन की डेट, सीएम को नियुक्ति पत्र वितरण में आमंत्रित करने की तैयारी

LUCKNOW (11 March): लखनऊ यूनिवर्सिटी जल्द ही सेवायोजन कार्यालय के सहयोग से मेगा जॉब फेयर आयोजित करेगा. इसमें अभी तक करीब 100 कंपनियों ने सेवायोजन कार्यालय में अपनी सहमति दे दी है. जॉब फेयर में चपरासी से लेकर मैनेजर के पदों तक नौकरियां देने के लिए कंपनियों के प्रतिनिधि चयन के लिए आएंगे. जॉब फेयर में सीएम को बतौर मुख्य अतिथि को बुलाने की तैयारी है. इसलिए इसकी तिथि तय करने के लिए पत्रावली मुख्यमंत्री कार्यालय भेजी गई है. एलयू की कोशिश है कि चयनित छात्र-छात्राओं को नियुक्ति पत्र मुख्यमंत्री के हाथों से दिलवाया जाए. एमबीए विभाग के विभागाध्यक्ष संजय मेधावी ने बताया कि यह अब तक सबसे बड़ा मेगा जॉब फेयर होगा. इसमें शैक्षिक योग्यता के आधार पर अलग-अलग पदों को मिलाकर 10 हजार से ऊपर नौकरियां मिलने का लक्ष्य है.

पंजीकरण अनिवार्य

जॉब फेयर में शामिल होने के लिए जल्द ही सेवायोजन पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू होगी. आवेदन प्रक्रिया का लिंक सेवायोजन के साथ एलयू की वेबसाइट पर भी उपलब्ध होगा. छात्र-छात्राओं को उसमें अपनी पूरी डिटेल भरनी होगी. उसी आधार पर कंपनियां इंटरव्यू लेंगी.

कंपनियों को दी जाएगी सूची

कुछ कंपनियों ने लिखित परीक्षा के आधार पर नौकरी में चयन के लिए कहा है. इसके लिए शैक्षिक योग्यता के आधार पर पंजीकृत बीटेक, एमबीए, आईआईटी से लेकर कक्षा आठ पास वाले छात्र-छात्राओं को भी बुलाया जाएगा. फिर योग्यता के अनुसार शार्ट लिस्ट की जाएगी. उसी आधार पर सूची कंपनियों को उपलब्ध कराई जाएगी.

कला संकाय के पीछे होगा समारोह

मेगा जॉब फेयर के दिन शाम को मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र दिलवाने की योजना है. इसलिए कला संकाय के पीछे वाले मैदान में नियुक्ति पत्र वितरण समारोह आयोजित करने की तैयारी की जा रही है. मुख्यमंत्री कार्यालय से दिन तय होने पर तैयारी तेज हो जाएगी. जॉब फेयर में लखनऊ से बाहर से आने वाली कंपनियों के प्रतिनिधि के रहने और खाने की व्यवस्था राज्य सरकार करेगी.

एलयू:पीएचडी की सीटें फिर बढ़ीं

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी सीटों को लेकर अक्सर बदलाव देखे गए हैं। इस साल भी पीएचडी प्रवेश आवेदन के साथ ही सीटों को लेकर बदलाव शुरू हो गया। अचानक पीएचडी और पार्ट टाइम पीएचडी की 16 सीटें बढ़ गईं। यह छात्रों में चर्चा का विषय बन गया है। विवि की ओर से पूर्व में जब सीटों का ब्योरा जारी किया गया तो पीएचडी की सीटें 439 और पार्ट टाइम पीएचडी की 76 थीं। वेबसाइट पर सीटों का ब्योरा अपलोड किया गया तो पीएचडी की सीटें 442 और पार्ट टाइम की 89 हो गईं। हिंदी में पार्ट टाइम पीएचडी की सीटें शून्य से नौ हो गईं। लोक प्रशासन में दो सीटें, रसायन विज्ञान व भूगर्भ विज्ञान में एक एक सीटें बढ़ी हैं। फुल टाइम पीएचडी में एंथ्रोपोलॉजी में दो, इकोनॉमिक्स में एक सीट बढ़ी है।

एलयू में बीएलएड के आवेदन शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से शुरू हुई ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया के बाद चार वर्षीय बीएलएड पाठ्यक्रम के लिए भी आवेदन शुरू कर दिए गए। विश्वविद्यालय द्वारा पूर्व में जारी सूचना में इसके बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

विद्यार्थियों में आवेदन को लेकर असमंजसः लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपडेट डाक्यूमेंट में अभी इसकी सीटों का सही विवरण नहीं दिया गया है। जिसकी वजह से विद्यार्थियों में इसे लेकर थोड़ा असमंजस भी है।

लविवि लगाएगा मेगा जॉब फेयर

शामिल होंगी 50 से अधिक कंपनियां, करेंगी छात्रों का प्लेसमेंट

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय सेवायोजन कार्यालय के सहयोग से जल्द ही विवि में मेगा जॉब फेयर आयोजित करेगा। इसमें करीब 50 कंपनियां शिरकत करेंगी। विवि प्रशासन की कवायद है कि इस कार्यक्रम में चयनित होने वाले छात्रों को नियुक्ति पत्र एक समारोह आयोजित कर बांटा जाए।

विश्वविद्यालय पहले भी बड़े स्तर पर जॉब फेयर आयोजित करता रहा है, लेकिन कोरोना काल में इसका आयोजन हो सका। जबकि विभागों द्वारा अपने-अपने स्तर पर इसका आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में इस आयोजन की तैयारी चल रही है। जल्द ही रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया सेवायोजन के साथ लविवि की वेबसाइट पर शुरू होगी। कंपनियां अपनी जरूरत के हिसाब से विद्यार्थियों को शार्ट लिस्ट कर इंटरव्यू के लिए बुलाएंगी। इसमें बीटेक, एमबीए जैसे व्यावसायिक कोर्स करने वाले छात्रों के साथ अन्य बाहर के भी विद्यार्थी शिरकत कर सकेंगे।

एमबीए विभागाध्यक्ष प्रो. संजय मेधावी ने बताया कि जॉब फेयर व्यापक स्तर पर आयोजित करने का प्रयास किया जा रहा है। अभी अतिथि के नाम पर कोई सहमति नहीं बनी है।

PIONEER PAGE 4

लविवि सुपर 30 क्लासेस के संचालन की तैयारी में

लखनऊ। सुपर 30 क्लासेस की सफलता को देखते हुए एक बार फिर से लखनऊ विश्वविद्यालय का कॉमर्स विभाग इसे शुरू करने की तैयारी कर रहा है। इसमें दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया 5 अप्रैल से शुरू होगी और लिखित परीक्षा के 30 छात्रों का चयन किया जाएगा। प्रो. राम मिलन यादव के मुताबिक सुपर 30 में शामिल होने के लिए इस साल एमकाम प्रथम और चौथे सेमेस्टर के उन छात्र छात्राओं को मौका दिया जाएगा, जो नेट जेआरएफ की तैयारी करना चाहते हैं। आवेदन पत्र विभाग में पांच अप्रैल से दिए जा सकेंगे। आवेदन करने वाले छात्र छात्राओं का टेस्ट होगा, जिसमें मल्टीपल च्वॉइस आधारित सौ प्रश्न होंगे। परीक्षा का समय एक घंटा होगा। मेरिट के आधार पर 30 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। सुपर 30 की कक्षाएं अप्रैल के दूसरे सप्ताह से प्रस्तावित हैं। इसकी तिथि टेस्ट के नतीजे जारी होने के साथ घोषित की जाएगी। कक्षाएं दोपहर दो से शाम चार बजे तक कामर्स विभाग के आडिटोरियम में चलेंगी।

VISHWAVARTA PAGE 3

अवसर इस क्लास के जरिए करायी जायेगी नेट-जेआरएफ की तैयारी, पांच अप्रैल से शुरू होगा आवेदन

लविवि का कामर्स विभाग फिर से शुरू करेगा सुपर-30

» एम काम के 30 बेस्ट छात्रों का लिखित परीक्षा के माध्यम से चयन किया जाएगा

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। सुपर-30 क्लास की सफलता को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय का कामर्स विभाग एक बार फिर से सुपर-30 क्लास की शुरुआत करने जा रहा है। इसके जरिए छात्रों को नेट-जेआरएफ की तैयारी कराई जाएगी।

इस क्लास में दाखिले के लिए पांच अप्रैल से आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस क्लास के लिए एम काम के 30 बेस्ट छात्रों का लिखित परीक्षा के माध्यम से चयन किया जाएगा। क्लास में सीनियर रिसर्च फेलो के अलावा अन्य विशेषज्ञ उनकी तैयारी कराएंगे।

दो वर्ष पूर्व 2019 में कामर्स विभाग ने सुपर-30 क्लास प्रारम्भ की थी। उस समय विभाग के शिक्षकों की मेहनत रंग लाई थी। इसका नतीजा रहा कि 15 से 20 छात्रों का चयन नेट-जेआरएफ में हो गया था। इसके बाद 2020 में कोरोना की वजह से क्लास नहीं शुरू हो पाई क्योंकि छात्रों का चयन नहीं हो पाया था। करीब एक वर्ष बाद संक्रमण में सुधार होने के बाद विभाग ने फिर से सुपर 30 क्लास शुरू करने का फैसला लिया है। विभाग के प्रो. राम मिलन इस सुपर-30 क्लास के कोआर्डिनेटर होंगे।

पांच अप्रैल से शुरू होगा सुपर-30 क्लास में आवेदनः प्रो. राम मिलन ने बताया कि सुपर-30 क्लास के लिए नेट-जेआरएफ की तैयारी करने के इच्छुक एमकाम प्रथम और चौथे सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को मौका दिया जाएगा। आवेदन पत्र विभाग में पांच अप्रैल से दिए जाएंगे। आवेदन करने वाले छात्र-छात्राओं की परीक्षा ली जाएगी जिसमें मल्टीपल च्वॉइस आधारित सौ प्रश्न होंगे। परीक्षा का समय एक घंटा होगा। मेरिट के आधार पर 30 विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा।

विषयों के विशेषज्ञ पढ़ाएंगे

प्रो. राम मिलन बताते हैं कि नेट जेआरएफ के लिए दो पेपर आते हैं। पहला पेपर कामन होता है। दूसरा पेपर स्ट्रीम के आधार पर होता है। इसमें कामर्स के 10 विषयों जैसे बिजनेस इनवायरमेंट, एचआर, मार्केटिंग, बैंकिंग, मैनेजमेंट अकाउंटिंग, कास्ट अकांटिग प्रमुख हैं। बाहर से एक्सपर्ट भी कक्षाएं लेने आएंगे। छात्रों से कोई भी फीस नहीं ली जाएगी।

कक्षाएं अप्रैल के दूसरे सप्ताह से होंगी शुरू

सुपर-30 की कक्षाएं अप्रैल के दूसरे सप्ताह से प्रस्तावित हैं। इसकी तिथि टेस्ट के नतीजे जारी होने के साथ घोषित की जाएगी। कक्षाएं दोपहर दो से शाम चार बजे तक कामर्स विभाग के एसपी सिंह आडिटोरियम में चलेंगी।

20 मार्च से होंगी एमकॉम प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं

LUCKNOW : एलयू ने एमकाम प्रथम सेमेस्टर-2021 की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है. यह परीक्षाएं 20 से 23 मार्च तक कामर्स विभाग में आयोजित की जाएगी. परीक्षा का विस्तृत कार्यक्रम लविवि की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड कर दिया गया है. एमकाम प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाओं के साथ ही उसका इंटरनल असेसमेंट, प्रजेंटेशन और असाइनमेंट का शेड्यूल भी तय कर दिया है.

TOI PAGE 3

LU revives Super 30 free coaching

PG Students To Be Prepared For NET & JRF

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The commerce department of Lucknow University will revive its "Super 30" free coaching classes to prepare postgraduate commerce students for National Eligibility Test (NET) and Junior Research Fellowship (JRF).

Super 30 was started in 2019 but discontinued in 2020 due to Covid-19 pandemic. Out of 30 candidates in the first batch, 22 students cleared NET and JRF.

A qualifying written test will be conducted in April to select 30 students. The one-hour test will be based on multiple-choice questions.

"Postgraduate students who want to be the part of Super 30 can fill the application form which will be available in their department's office from April 5," said coordinator Prof Ram Milan. Besides teachers, a team of 25 junior and senior research scholars from Lucknow University and associated colleges will be taking Super 30 classes for two hours daily from 2pm to 4pm in the commerce department auditorium.

University Grants Commission conducts NET, which is mandatory for teaching in higher education institutes.

Similarly, candidates need to qualify JRF for research projects in universities and colleges.